आज का पुरुषार्थ 28 June 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" आज से अपने अमृतवेले को और भी शक्तिशाली बनाने का प्रयत्न करे इन अनुभवों के साथ "*

अमृतवेला रोज बाप से हमें अमृत मिलता है। विभिन्न तरह का अमृत। तो आओ रोज अमृतवेले अमृत पान करे। और अमर हो जाये, स्थिति को अमर कर दे ...

" अपने सदगुणों को, अपने दिव्य संस्कारों को, अपने पवित्रता को अमर कर दे "

सवेरे का समय कितना सुन्दर है, संसार में तो जब लोग आँखे खोलते है, तो कोई न कोई समस्या और टेन्शन उनके सामने रहती है।

और हम भाग्यवान आत्मायें सवेरे आँख खोलते है और सामने मिलते है ..
" **प्यार के सागर हमारे परमपिता** "

... जो हमें बहुत चाहते है .. जो हमें बहुत प्यार करते है .. जो हम पर सर्वस्व क़ुर्बान करना चाहते है .. जो हमें **शक्ति** और **वरदानों** से भरना चाहते है ...

तो हम अपने आँखे खोलकर बैठा करे .. **बुद्धि के नेत्रों को खोलकर बैठा करे** .. अपने चित्त को समर्पित करके बैठा करे .. **एकाग्र** हो जाये .. और बाबा से यह सब प्राप्तियाँ कर ले ...

ज्ञान अमृत बाबा पिलाते है। सोते तो युगों से आये है। और फिर सोने का भरपूर आनन्द मिलेगा। लेकिन जागने का समय यही है ...

" विशेष अमृतवेले ..जब भगवान हमारा श्रृंगार करता हो "

जब वो वाहें फैलाये हमें पुकार रहा हो, बुला रहा हो ...

" आओ बच्चे मेरे पास आ जाओ .. मैं तुम्हारी झोलियाँ भर दूँ .. मुझसे जो चाहे वरदान ले लो "

चाहे **विजयमाला** में आने का वरदान .. चाहे अष्टरतन बनने का वरदान .. चाहे विजय पाने का वरदान .. चाहे सुखी रहने का वरदान .. चाहे माया को जीतने का वरदान।

हम चलें सूक्ष्म लोक में और वहाँ बाबा से बहुत अच्छी **रूहरिहान** किया करें, बातें किया करें ...

भगवान से बातें करने का सुख चारों युगों में अन्यत्र, अन्य काल में कभी नहीं मिलेगा। ऐसा सुन्दर अवसर उन्होंने दे दी है कि ...

" सवेरे मेरे पास आओ और जीतना चाहो मुझसे बातें करो .. प्रीत की रीत निभाओ .. प्यार में मग्न हो जाओ .. जो चाहे सुना दो .. और उसका रेसपॉन्स ले लो "

बाबा का हाथ अपने सिर पर अनुभव करे रोज़ .. और बाबा से दृष्टि ले

और जो श्रेष्ठ पुरुषार्थी है, वह रोज सवेरे बाबा से दृष्टि लेकर सारे संसार को दृष्टि दिया करे ...

... बहुत बड़ी **वायब्रेशन्स** की सेवा हो जायेगी।

...फिर चला करे **परमधाम**, महाज्योती के पास .. और बस उनकी किरणों के नीचे बैठ जाया करे इन अनुभवों के साथ ...

" मै भी निराकार और बाबा भी निराकार .. हम दोनों समान "

... उनकी शक्तियाँ उनकी प्योरीटी उनकी सम्पूर्ण शान्ति हममें समाती जायेगी ...

सवेरे की इन सुन्दर अनुभवों के लिए रात को समय पर सोना, परम आवश्यक है। खाना भी समय पर खाना और थोड़ा कम खाना, परम आवश्यक है।

ताकि हमारी नीन्द भी सतोप्रधान हो, स्वप्न रहित हो। और हम जब सवेरे उठे तो

" पहला संकल्प केवल बाबा हो "

या ...

" मैं आत्मा इस तन में अवतरित हुई हूँ महान कार्य के लिए "

.... इस आनन्द में हम स्वयं को आनन्दित कर दिया करें ....

सारे दिन के दिनचर्या पर भी हमारे अमृतवेले का अनुभव डिपेंड करता है। यदि हम सारा दिन वाह्यमुखी रहेंगे, मायावी चक्र में उलझते रहेंगे ...

तो सवेरे उठने पर भी हमें अमृत चखने का अनुभव नहीं होगा। तो सारा दिन भी कुछ न कुछ **अभ्यास** हमारा चालु रहे ....

हम आत्मिक दृष्टि, अशरीरीपन का और स्वमान में रहने का अभ्यास तो कम-से-कम करते ही रहे ...

तो आइये सारा दिन आज ...**सूक्ष्म लोक में जाकर बापदादा से दृष्टि ले** .. उसका वरदानी हाथ मेरे सिर पर है ऐसा अनुभव करे ...

और फिर चले अपने धाम .. जहाँ सर्वशक्तिमान की किरणें हमारे में समाती रहेंगी ...

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org